

आदेश पत्रक

(देखें अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129)

आदेश क्र-ता०

जिला

पणजी

सं०

१५

सन् 20/६/१७

केस का प्रकार

सिमांश

आदेश की
क्र०स० और
तारीख

1

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

2

आदेश पर की
गई कारवाई के
बारे में टिप्पणी
तारीख सहित

3

११/११/१६

आदेश मिला हुआ था कि मुझे १००
पुनर्जा बागा-पणजी जिला-पणजी के सिमांश के
फा. देना निकालिए कि फा. सिमांश के फा. के
जोय दिने हैं

मुक्ति का विवरण

आदेश -	पणजी -	फा. -	१००
पुनर्जा	५१	५८३	१०८१
		२७९	

उस समय में मुझे प्रत्येक दिन
कंपन सिमांश के माध्यम से ज्ञापन मिले
था कि मुझे है कि साथ में संपन्न हो ज्ञापन मिले
है सार लेता है कि आदेश कि फा. आदेश
का मांग संपन्न हो कंपन आदेश सार संपन्न
दिना संपन्न है कि सारी फा. के सार दिने हैं
संपन्न संपन्न आदेश के आदेश दिना संपन्न है
दि सार दिने का संपन्न संपन्न सार १००). आदेश
के सार कंपन संपन्न के सार संपन्न है

कंपन संपन्न

१०/१२/२२

अंतिम संपन्न आदेश के सिमांश के
फा. देना संपन्न दिने है कि फा. संपन्न दिने
संपन्न है कि फा. संपन्न संपन्न सार सार
के संपन्न के संपन्न संपन्न सार सार सार
संपन्न संपन्न सार सार सार सार सार
संपन्न संपन्न सार सार सार सार सार

कंपन संपन्न

सेवा में

श्री जग अनंजय पदाधिकारी महेन्द्र गगडू
विषय: खिलान का जमीन मिला बा उसी जमीन को नापी
कारण के बावजूद है

प्रथम सविनय निवेदन यह है की मैं महंग मुईया पिता

मेरा मुईया जग पुनका जग गगडू जिला पल्लार
का रहने वाला हूँ। आगे हमारे नाम से जग पुनका
का रजारा नं० 51 प्लॉट नं० 483, 274 रजारा 1081 रज.
इसके रेकॉर्ड डीखनीय का जमीन का डीखाने वाला
वह जमीन खिलान एकट से मिला है वह जमीन
को नापी करवा बहुत जरूरी है कि हम सब जमीन
जोते यह नही दृष्ट लिखे नापी करवा है कि जग ग.
काल में जोते कहे वाला भी कुछ जमीन जोते रहा
है दृष्ट लिखे सरकारी रसीद के अनुसार नापी का
बहुत जरूरी है

प्रधान (समर्थ)
१५/११/१६

जग - पुनका

कारण होर रजारा नं० 51
483, 274 रजारा 1081 रज.

अंत: श्री जग से सादर प्रार्थना
करता हूँ द्वारा जमीन का नापी करे

महंग मुईया पिता से मुईया के
जग जग गगडू चलाया है।

कारण: खिलान का रजारा नं० 51
483, 274 रजारा 1081 रज.

आपका विपक्षी
महंग मुईया

जग पुनका जग गगडू
जिला पल्लार

१५/११/१६

जमीन का मैं पकड़
वा फल में जोते जा रजारा नं० 51

ਪ੍ਰਤੀ ਨਿ

අත්තිකාරම් - නිකාය 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150, 1151, 1152, 1153, 1154, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1186, 1187, 1188, 1189, 1190, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205,

12.1.21

महामय,

प्रविणय निवेदन सह ही नि. विद्यु-मन्त्रा

Mar- ~~1944~~ (1944) 2nd year - 1st semester

इस गेहूँ का नाम है लॉन्ग-स्टैलम-483, 209
 लॉन्ग-स्टैलम-483 का नाम है लॉन्ग-स्टैलम-483, 209

ਮਾਪਿ ਦੇਵੁ - ਮਿਰਦਾਸ ਦੇ ਅੰਤਰਿ ਤਿਸੁ ਥਾਹੁ / ਪ੍ਰਸੰਸਾ ਵਿਚ

ਮਾਮਲਾ 20/11/18 ਬੰਦੀ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨੂੰ ਮੇਰਾ ਆਖਿਰੀ ਵਾਰੀ

2021-22 के लिए कार्य करने की योजना

maximal 24 Stunden nach Beginn auf t_{max}

[illegible][illegible]

for 213r minus 217

gibt mir ein Beispiel



10-12-2021

510 ਨੇਪਾਲ ਭੂਗੋਲ

प्रकार